राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

विलियमसन और मोर्गन में किसके हाथ आएगी ट्रॉफी >> 12

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 34

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, रविवार, 14 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

BYJU'S The Learning App

IAS 2020

आईएएस 2020 फाउंडेशन एवं टेबलेट प्रोग्राम

प्रारंभिक परीक्षा केन्द्रित

BYJU'S IAS TABLET PROGRAME

COURSE FEE : ₹ 70,000/- ALL INCLUSIVE

किसी भी समय और कहीं भी सर्वश्रेष्ठ व्याख्याताओं तक पहुंच

सामान्य अध्ययन के लिए 500+ घण्टों की वीडियो कक्षाएं (प्रिलिम्स + मेन्स)

प्रत्येक विषय के सही एप्रोच के लिए सम्पूर्ण मार्गदर्शन और सहयोग

समसामयिक विषयों के लिए प्रतिदिन अतिरिक्त वीडियो

5 DAYS FREE DEMO CLASSES के साथ बैच प्रारंभ

TIME : 5 PM TO 7:30 PM

22th जुलाई : भारतीय राजव्यवस्था

23rd जुलाई : भारतीय इतिहास

24th जुलाई : भारतीय अर्थव्यवस्था

25th जुलाई : भूगोल

26th जुलाई : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

IAS 2020 के लिए

निःशुल्क कार्यशाला

DATE : 20TH JULY 2019 (SATURDAY) | TIME : 4:30 PM

FOUNDATION BATCHES – Mon to Fri (Prelims Cum Mains)

Batch 1 : 29th July (5 pm to 7.30 pm) I Batch 2 : 5th August (5 pm to 7.30 pm)

कार्यालय का पता : Shop No. 15, Ground Floor, Vardhman Central Mall, Nehru Vihar, Mukherjee Nagar, Delhi-54

निःशुल्क पंजीकरण के लिए अपना नाम SMS/WHATSAPP करें- 9205881869

सरोकार

इंदौर में रद्दी की कमाई से संवार रहे 'भविष्य'

इंदौर : राह सोशल वेलफेयर सोसायटी का एक प्रयास समाज को नई राह दिखा रहा है। घरों से कागज की रद्दी जुटाकर संस्था करीब दो सौ गरीब लड़के-लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठा रही है। संस्था अनाथ बच्चियों के लिए आवासीय स्कूल और वृद्धाश्रम खोलने की योजना बना रही है। (पेज-5)

रविवार विशेष

सोनागाछी के 'बेगानों' को मिली अपनी दुकान

कोलकाता : एशिया के सबसे बड़े रेडलाइट एरिया सोनागाछी की सेक्स वर्कर्स को दुकानदार सामान बेचने तक से मना कर देते थे। इन 'बेगानों' के लिए ऊषा मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड नामक संस्था ने डिपार्टमेंटल स्टोर शुरू किया है। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

भाजपा महासचिव रामलाल की आरएसएस में वापसी

नई दिल्ली : भाजपा महासचिव (संगठन) रामलाल 13 वर्षों तक पार्टी में रहने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में लौट गए हैं। संघ में वह अखिल भारतीय सहसंपर्क प्रमुख होंगे। भाजपा में वी. सतीश उनकी जगह ले सकते हैं।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

बिहार में बढ़ने लगा बाढ़ का खतरा, डूबने से 13 की मौत

पटना : बिहार में लगातार बारिश से सैकड़ों गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। कई स्थानों पर संपर्क मार्ग ध्वस्त हो गए हैं। तटबंधों पर पानी का दबाव और रिसाव जारी है। वहीं विभिन्न जिलों में डूबने से 13 लोगों की मौत हो गई।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

सैन्य कार्रवाइयों पर अमेरिकी संसद ने बांधे ट्रंप के हाथ

वाशिंगटन : अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पर कतरने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यहां प्रतिनिधि सभा में वार्षिक रक्षा नीति विधेयक से संबंधित कुछ संशोधनों को मंजूरी दी गई है। अब सैन्य कार्रवाई के लिए ट्रंप को संसद से मंजूरी लेनी होगी।

क्रिकेट महाकुंभ

इंग्लैंड vs न्यूजीलैंड

दोपहर 3:00 बजे से

स्थान : लंदन

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

कर्नाटक के पांच और बागी विधायक पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

आग्रह ▶ 10 अन्य बागी विधायकों के साथ पक्षकार बनाने की मांग

विधानसभा अध्यक्ष की ओर से इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जाने को दी है चुनौती

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

कर्नाटक में कांग्रेस के बागी विधायक एमटीबी नागराज ने शनिवार को इस्तीफा वापस लेने के संकेत भी दिए। उन्होंने बेंगलुरु में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्दरमैया से उनके आवास पर मुलाकात की। एएनआइ

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) द्वारा इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जाने के खिलाफ कांग्रेस-जदएस गठबंधन के पांच और बागी विधायक आनंद सिंह, के. सुधाकर, एमटीबी नागराज, मुनिरत्न और रोशन बेग सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने कोर्ट में पहले से दायर 10 अन्य बागी विधायकों की याचिका में उन्हें भी पक्षकार बनाने की मांग की है। उनकी अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई होनी है। वहीं, सरकार से समर्थन वापस लेकर भाजपा के पाले में चले गए दोनों निर्दलीय विधायकों एच. नागेश और आर. शंकर ने विस अध्यक्ष को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि सदन में उनके बैठने का प्रबंध विपक्षी सदस्यों के साथ किया जाए। विस का मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू हुआ है और मुंबई में होने की वजह से दोनों विधायक पहले दिन सदन से अनुपस्थित थे।

इससे पहले 10 बागी विधायकों प्रताप गौड़ा पाटिल, रमेश जर्किहोली, बाइराति बसावराज, बीसी पाटिल, एसटी सोमशेखर, अरबेल शिवराम हेब्बर, महेश कुमाथल्ली, के. गोपालय्या, एएच विश्वनाथ और नारायण गौड़ा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शुक्रवार को स्पीकर केआर रमेश कुमार को यथास्थिति कायम रखने का आदेश देते हुए मंगलवार तक कोई भी फैसला लेने से रोक दिया था। ज्ञात हो, सत्तारूढ़ गठबंधन के 16 बागी विधायकों के इस्तीफों की वजह से 13 माह पुरानी कुमारस्वामी सरकार संकट में घिर गई है।

येद्दयुरप्पा की मांग, सोमवार को विश्वास मत हासिल करें सीएम : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीएस येद्दयुरप्पा ने शनिवार को कहा, मुख्यमंत्री कुमारस्वामी को सोमवार को ही विश्वास मत हासिल करना चाहिए। वह कार्यमंत्रणा समिति में इस बारे में सुझाव देंगे।

एक बागी विधायक ने दिए इस्तीफा वापस लेने के संकेत : मुख्यमंत्री कुमारस्वामी की ओर से विश्वास प्रस्ताव पेश करने की घोषणा के बाद कांग्रेस ने बागी विधायकों को मनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। एक विधायक एमटीबी नागराज ने इस्तीफा वापसी के संकेत देते हुए कहा, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश गुंडू राव ने उनसे इस्तीफा वापस लेने का अनुरोध किया है। वह इस बारे में विधायक के. सुधाकर से भी बात करेंगे।

तड़के ही नागराज के घर पहुंचे कांग्रेस नेता शिवकुमार : दरअसल, सरकार के संकटमोचक माने जाने वाले कांग्रेस नेता और राज्य के जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार शनिवार सुबह पांच बजे ही नागराज के घर पहुंच गए थे। वह वहां करीब साढ़े चार घंटे रहे। उसके बाद उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर भी उन्हें मनाने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री कुमारस्वामी भी चार बागी विधायकों को मनाने में जुटे हैं।

बागी विधायक रामलिंगा रेड्डी से मिले भाजपा नेता : विधायक एसआर विश्वनाथ और बेंगलुरु के पार्षद पद्मनाथ रेड्डी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं के एक दल ने सात बार के कांग्रेस विधायक रामलिंगा रेड्डी से मुलाकात की। रामलिंगा रेड्डी भी इस्तीफा दे चुके 16 बागी विधायकों में शामिल हैं। हालांकि उन्होंने मुलाकात के बारे में टिप्पणी करने से मना कर दिया, लेकिन इतना जरूर बताया कि वह सोमवार को विधानसभा में उपस्थित रहेंगे।

साई बाबा के किए दर्शन : मुंबई में ठहरे बागी विधायकों ने शनिवार को शिरडी में साई बाबा के दर्शन किए। वे वहां चार्टर्ड विमान से पहुंचे थे। शुक्रवार को उन्होंने मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान गणपति के दर्शन किए थे।

पाक ने गुरुद्वारा कमेटी में एक खालिस्तान समर्थक को हटाकर दूसरे को रखा

नई दिल्ली, आइएएनएस : करतारपुर कॉरिडोर को लेकर रविवार को होने वाली वार्ता से पहले पाकिस्तान ने भारतीय दबाव में 10 सदस्यीय पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) से एक खालिस्तान समर्थक को हटा दिया। लेकिन यहां भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसने उसमें दूसरे खालिस्तान समर्थक को शामिल कर लिया।

करतारपुर कॉरिडोर की गतिविधियों में पीएसजीपीसी समन्वयक की भूमिका निभाने वाली है। लिहाजा भारत ने इसमें खालिस्तान समर्थक तत्वों की उपस्थिति पर आपत्ति व्यक्त की थी। कॉरिडोर को लेकर वाघा में रविवार को दोनों देशों के अधिकारियों के बीच दूसरे दौर की बातचीत होनी है। इससे पहले पाकिस्तान ने शनिवार को पीएसजीपीसी से खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला को हटाने की घोषणा करते हुए नई कमेटी की घोषणा की। चावला पीएसजीपीसी का महासचिव था। इस मामले में भी पाकिस्तान ने अपनी पुरानी हरकतें दोहराते चावला की जगह कमेटी में दूसरे खालिस्तान समर्थक अमीर सिंह को शामिल कर लिया। अमीर सिंह जाने-माने खालिस्तानी नेता बिशेन सिंह का भाई है। अमीर सिंह खुद भी पाकिस्तान में खालिस्तानी आंदोलन का अग्रिम पंक्ति का नेता है।

- करतारपुर कॉरिडोर पर आज दोनों देशों के अधिकारियों के बीच वार्ता

मालूम हो कि करतारपुर कॉरिडोर के मसले पर दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों बीच रविवार को होने वाली बातचीत पहले दो अप्रैल को होनी थी। 14 जुलाई को होने वाली इस बैठक में इस बात पर चर्चा होनी है कि कौन-कौन से श्रद्धालु करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब जा सकेंगे, कॉरिडोर में श्रद्धालुओं की आवाजाही कैसे होगी, कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक होंगे और क्या यह वीजा मुक्त होगा। साथ ही श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित व निर्बाध आवाजाही के लिए सुविधाओं पर भी विचार किया जाएगा।

निजता उल्लंघन में फेसबुक पर सबसे बड़ा जुर्माना

- अमेरिकी नियामक ने दी मंजूरी, दिग्गज नेटवर्किंग कंपनी को चुकाने होंगे 34 हजार करोड़ रुपये
- सोशल नेटवर्क की गोपनीयता और डाटा सुरक्षा में चूक पर हुई कार्रवाई
- एफटीसी ने दो के मुकाबले तीन वोट से मामले का किया निपटारा

वाशिंगटन, एएफपी : दुनिया की दिग्गज नेटवर्किंग कंपनी फेसबुक पर निजता के उल्लंघन मामले में अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है। अमेरिकी उपभोक्ता सुरक्षा एजेंसी फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने फेसबुक पर पांच अरब डॉलर (करीब 34 हजार करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाने को मंजूरी दी है। यह कार्रवाई सोशल नेटवर्क की गोपनीयता और डाटा सुरक्षा में खामियों को लेकर की गई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल अखबार के अनुसार, एफटीसी ने मामले के निपटारे को दो के मुकाबले तीन वोट से मंजूरी दी। इस एजेंसी के दो डेमोक्रेटिक सदस्यों ने अपनी असहमति जाहिर की। जुर्माने का भुगतान करने पर फेसबुक के खिलाफ यह मामला बंद हो जाएगा। निजता के उल्लंघन मामले में एफटीसी की ओर से यह अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है। इस पर अभी अमेरिका के न्याय विभाग की मुहर लगनी बाकी है। एफटीसी के फैसले का विस्तृत विवरण अभी तक जारी नहीं किया गया है। यह संभावना जताई जा रही है कि उपभोक्ताओं के निजी डाटा के उपयोग को लेकर फेसबुक को कुछ प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि उपभोक्ता समूह पब्लिक नॉलेज के वकील शार्लेट स्लेमैन ने कहा, 'सख्त प्रतिबंध लगाए जाने की संभावना कम है। हमें निपटारे के अहम पहलुओं की जानकारी नहीं है। यह भी नहीं पता है कि क्या फेसबुक अपने कारोबार के तौर-तरीकों में कोई बदलाव करेगा या नहीं, लेकिन फेसबुक के बर्ताव में बदलाव लाने के लिए यह जुर्माना पर्याप्त नहीं होगा।'

पिछले साल शुरू हुई थी जांच : एफटीसी ने पिछले साल घोषणा की थी कि उसने फेसबुक के साथ 2011 में हुए निजता समझौते के मामले में जांच फिर शुरू कर दी है। यह जांच पिछले साल ब्रिटिश फर्म कैंब्रिज एनालिटिका का मामला उजागर होने के बाद शुरू की गई थी। कैंब्रिज एनालिटिका ने लाखों भारतीयों समेत आठ करोड़ से ज्यादा फेसबुक यूजर्स के डाटा एक एप के जरिये हासिल किए थे। इस राजनीतिक सलाहकार कंपनी ने 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए काम किया था।

तीन से पांच अरब डॉलर में निपटारे का था अनुमान : फेसबुक ने इस साल के शुरू में अनुमान लगाया था कि यूजर डाटा मामले का तीन से पांच अरब डॉलर में निपटारा हो सकता है। हालांकि इसकी संभावना कम है कि इतने भारी-भरकम जुर्माने से उसे कोई नुकसान होगा। फेसबुक की इस साल की पहली तिहाई में 15.1 अरब डॉलर (करीब एक लाख करोड़ रुपये) की कमाई हुई है।

फेसबुक पर निजता उल्लंघन के और भी मामले : दुनियाभर में फेसबुक के दो अरब से ज्यादा यूजर्स हैं। दुनिया की इस दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी को अमेरिका और भारत समेत दुनिया के कई दूसरे देशों में भी निजता के उल्लंघन और डाटा चोरी के मामलों में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले साल लगा था पांच लाख पौंड का जुर्माना

डाटा चोरी मामले में ब्रिटिश सूचना कार्यालय ने पिछले साल फेसबुक पर भी पांच लाख पौंड (करीब 4.30 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना ब्रिटिश फर्म कैंब्रिज एनालिटिका के डाटा चोरी मामले में फेसबुक की भूमिका को लेकर लगाया गया था।

झिलमिल इलाके में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, तीन की मौत

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

दिल्ली के झिलमिल इलाके के पास स्थित फ्रेंडस कॉलोनी औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार सुबह प्लास्टिक के नल (टोटी) बनाने की फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना पाकर दमकल और पुलिस की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। तीन मंजिला फैक्ट्री से बड़ी संख्या में कर्मचारी बाहर निकल गए, लेकिन 12 लोग अंदर फंस गए। इन्हें सीढ़ी लगाकर बाहर निकाला। तीन को नाजुक हालत में जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान संगीता (40), मंजू (50) और शुएब (19) के रूप में हुई।

30 दमकल वाहनों को आग पर काबू पाने में आठ घंटे का समय लगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे का एलान किया। साथ ही मामले की जांच के आदेश दिए।

जानकारी के मुताबिक, फ्रेंड्स कॉलोनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित गली नंबर-4 में चौहान बांगर निवासी चार भाइयों नईम, वसीम, अदनान और शानू की कॉरसा बॉथ के नाम से नल बनाने की फैक्ट्री है। डेढ़ सौ मीटर में बनी तीन मंजिला फैक्ट्री में तार बनाने का भी काम होता है। बाकी पर नल बनाने और पैकिंग का काम होता है। पूरी इमारत में 150 से 200 मजदूर काम करते हैं। सुबह करीब 9:05 बजे भूतल पर मीटर के पैनल के पास आग लग गई। पास में ही गत्ते और पैकिंग के अन्य सामान थे, जिससे आग फैलने लगी। यह देख कर्मचारी बाहर भागे। कुछ मुख्य द्वार से निकले तो तीसरी मंजिल के कर्मचारी छत पर पहुंच गए और वहां से दूसरी फैक्ट्री की छत पर चले गए। 9:25 बजे सूचना मिलने के बाद पुलिस के अलावा दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं, लेकिन 12 कर्मचारी दूसरी मंजिल पर ही फंस गए। 11 बजे दमकलकर्मी ऑक्सीजन मॉस्क लगाकर दूसरी मंजिल पर पहुंचे और लोगों को निकाला। (पेज-2 देखें)

अंशुला कांत बनीं विश्व बैंक की एमडी व सीएफओ

- पिछले वर्ष सितंबर से भारतीय स्टेट बैंक में प्रबंध निदेशक हैं कांत
- विश्व बैंक में संभालेंगी वित्त और जोखिम प्रबंधन की जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एएनआइ : दुनिया के शीर्ष बैंकिंग संगठनों में भारतीय महिलाओं का रुतबा और दबदबा लगातार बढ़ रहा है। विश्व बैंक ने भारत की प्रभावशाली बैंकर अंशुला कांत को प्रबंध निदेशक (एमडी) व मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) चुना है। कांत पिछले वर्ष सितंबर से देश के सबसे बड़े सरकारी कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) में एमडी हैं। लेडी श्रीराम कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएट और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री हासिल करने वाली कांत इससे पहले एसबीआइ में भी सीएफओ रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति की घोषणा विश्व बैंक के प्रेसिडेंट डेविड माल्पास ने की। हालांकि अभी कांत की नियुक्ति की तारीख घोषित नहीं की गई है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ को इसी वर्ष पहली जनवरी से मुख्य अर्थशास्त्री नियुक्त किया था।

अपने आधिकारिक बयान में माल्पास ने कहा, 'मुझे अंशुला कांत को वर्ल्ड बैंक ग्रुप की एमडी व सीएफओ नियुक्त करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। एसबीआइ की सीएफओ के रूप में कांत के पास वित्त, बैंकिंग और तकनीक के नए तरह के प्रयोग में 35 वर्षों से ज्यादा का अनुभव है।' माल्पास के मुताबिक कांत ने जोखिम, खजाना, परिचालन और नियामकीय अनुपालन जैसी चुनौतियों से पार पाने में महारत हासिल की है। हम विकास कार्यों के बेहतर नतीजे हासिल करने पर काम कर रहे हैं। ऐसे में अपनी प्रबंधन टीम में हम अंशुला कांत का स्वागत करते हैं।

अंशुला कांत (फाइल फोटो)

यह होगी जिम्मेदारी

एमडी और सीएफओ के तौर पर कांत के पास विश्व बैंक में वित्तीय और जोखिम प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। बैंक के बयान के मुताबिक वे वित्तीय रिपोर्टिंग और जोखिम प्रबंधन के अलावा बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के साथ विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए काम करेंगी। वे विश्व बैंक के प्रेसिडेंट को रिपोर्ट करेंगी। एसबीआइ की सीएफओ के तौर पर कांत ने 38 अरब डॉलर (करीब 2.66 लाख करोड़ रुपये) राजस्व और 500 अरब डॉलर (करीब 35 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति का प्रबंधन किया है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने एसबीआइ का पूंजी आधार बढ़ाने और लंबी अवधि में बैंक की स्थिरता की दिशा में काम किया।

नशे के खिलाफ मुहिम से अब किनारा नहीं कर सकेंगे राज्य

नई दिल्ली : नशे के खिलाफ मुहिम में राज्यों को अब बड़ी भूमिका निभानी होगी। केंद्र ने इसके खिलाफ अपनी मुहिम को तेज करते हुए राज्यों को फिलहाल और ज्यादा जवाबदेह बनाया है। साथ ही इससे निपटने के लिए उन्हें वित्तीय मदद भी देने का फैसला लिया है। इसके तहत राज्यों को पहले ही साल में 57 करोड़ रुपये से अधिक की मदद जारी कर दी गई है। बिहार, झारखंड, गोवा जैसे राज्यों द्वारा प्रस्ताव न देने के कारण धन जारी नहीं किया गया है। (पेज-3)

कांग्रेस से आए तीन विधायक गोवा मंत्रिमंडल में शामिल

राज्य ब्यूरो : गोवा में कांग्रेस के 10 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के कुछ ही दिनों बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। कांग्रेस छोड़कर आए तीन विधायकों सहित चार नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष माइकल लोबो को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने राजभवन में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। (पेज-4)

अंतरिक्ष की ओर एक और कदम

आज सुबह से शुरू हो गया चंद्रयान-2 का काउंटडाउन, सोमवार की सुबह चांद की ओर उड़ान भरेगा 'बाहुबली', चांद पर यान उतारने वाला चौथा देश बन जाएगा भारत

चंद्रयान-2 के साथ इतिहास रचने को तैयार भारत

चेन्नई, आइएएनएस : भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक और उपलब्धि की ओर कदम बढ़ा दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-2 के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है। रविवार सुबह छह बजकर 51 मिनट से शुरू होकर यह काउंटडाउन 20 घंटे चलेगा। इस दौरान रॉकेट और यान के पूरे सिस्टम को जांचा जाएगा। साथ ही रॉकेट में ईंधन भी भरा जाएगा। 15 जुलाई सुबह दो बजकर 51 मिनट पर चंद्रयान अभियान पर रवाना होगा। लांचिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन प्रक्षेपण केंद्र से होगी। अभियान की सफलता के साथ ही चांद पर यान उतारने वाला भारत चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले अमेरिका, चीन और रूस अपने यान चांद पर उतार चुके हैं। भारत ने 2008 में चंद्रयान-1 भेजा था, जिसने 10 माह तक चांद की परिक्रमा करते हुए प्रयोगों को अंजाम दिया था। चांद पर पानी की खोज का श्रेय इसी अभियान को जाता है।

इसरो का सबसे भारी रॉकेट जियोसिंक्रोनस सेटेलाइट लांच व्हीकल-मार्क 3 (जीएसएलवी-एमके3) यान को लेकर रवाना होगा। 640 टन वजनी इस रॉकेट को तेलुगु मीडिया ने 'बाहुबली' तो इसरो ने 'फैट बॉय' (मोटा लड़का) नाम दिया है। 375 करोड़ की लागत से बना यह रॉकेट 3.8 टन वजनी चंद्रयान-2 को लेकर उड़ेगा। चंद्रयान-2 की लागत 603 करोड़ है। 16 मिनट की उड़ान के बाद रॉकेट इस यान को पृथ्वी की बाहरी कक्षा में पहुंचा देगा। फिर इसे चांद की कक्षा तक पहुंचाया जाएगा। अब तक इसरो इस श्रेणी के तीन रॉकेट लांच कर चुका है। 2022 में भारत के पहले मानव मिशन में भी इसी रॉकेट का इस्तेमाल किया जाएगा।

चांद के अनछुए हिस्से पर पहुंचेगा यान : चंद्रयान-2 चांद के जिस दक्षिणी ध्रुव वाले क्षेत्र में उतरेगा, वहां अब तक किसी देश ने अभियान को अंजाम नहीं दिया है। यह अभियान इस हिस्से को समझने और चांद के विकासक्रम को जानने में मददगार होगा। क्षेत्र में कई विशाल क्रेटर (अंतरिक्षीय पिंडों के टकराने से बने गड्ढे) हैं, जिनमें सौर व्यवस्था के बहुत शुरुआती समय के प्रमाण मिलने की उम्मीद है। इसरो के चेयरमैन के. सिवन ने बताया कि अभियान में 30 फीसद महिलाओं ने भूमिका निभाई है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर एम. वनिता और मिशन डायरेक्टर रितु करिधल हैं।

संबंधित खबर पेज>>5

मुद्दा (जय विज्ञान-जय अनुसंधान) पेज>>7

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से इसरो का सबसे भारी रॉकेट जियोसिंक्रोनस सेटेलाइट लांच व्हीकल-मार्क 3 चंद्रयान-2 को लेकर रवाना होने के लिए तैयार है। एएनआइ

चंद्रयान-2 के हैं तीन हिस्से

चंद्रयान-2 के तीन हिस्से हैं ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर। अंतरिक्ष वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के सम्मान में लैंडर का नाम विक्रम रखा गया है। वहीं रोवर का नाम प्रज्ञान है, जो संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है ज्ञान। चांद की कक्षा में पहुंचने के चार दिन बाद लैंडर-रोवर अपने ऑर्बिटर से अलग हो जाएंगे। विक्रम छह सितंबर को चांद के दक्षिणी ध्रुव के नजदीक उतरेगा और वहां तीन वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देगा। चांद पर उतरने के बाद रोवर उससे अलग होकर 14 दिन तक अन्य प्रयोगों को अंजाम देगा। चांद के हिसाब से यह अवधि एक दिन की बनेगी। वहीं ऑर्बिटर सालभर चांद की परिक्रमा करते हुए आठ प्रयोग करेगा। इस पूरे अभियान में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी एक प्रयोग को अंजाम देगी।

जल नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य बना मेघालय

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने दी मसौदे को मंजूरी
- राज्य सरकार ने हाल ही में जल शक्ति मिशन को लांच किया है

शिलांग, प्रेट्र : मेघालय मंत्रिमंडल ने पानी के इस्तेमाल और राज्य में जल स्रोतों के संरक्षण एवं रक्षा मुद्दे का समाधान करने के लिए जल नीति के मसौदे को मंजूरी दी है। जल नीति बनाने वाला यह देश का पहला राज्य बन है। मुख्यमंत्री कोनराड के. सांगमा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को नीति मसौदे को मंजूरी देने से पहले नीति के विभिन्न पहलुओं और उसकी गहराई पर चर्चा की। उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन त्यनसोंग ने इस आशय की जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'पानी के इस्तेमाल और जीवनयापन एवं जल निकायों का कैसे संरक्षण किया जाए से संबंधित सभी मुद्दों को इस नीति में रेखांकित किया गया है। इसमें गांव के स्तर पर जल स्वच्छता ग्राम परिषद का गठन करने के माध्यम से इस नीति को लागू करने में सामुदायिक भागीदारी भी शामिल है।' राज्य जल संसाधन विभाग द्वारा जल संरक्षण और जल निकायों के संरक्षण विशेषज्ञों के साथ परामर्श कर यह नीति तैयार की गई है। उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन त्यनसोंग ने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण मेघालय में खूब वर्षा होती है, लेकिन वह पानी यहां नहीं ठहरता और बिना रुके बांग्लादेश पहुंच जाता है।

नीति पर हुई चर्चा के मुद्दों में उपयुक्त इस्तेमाल और जल संरक्षण, जल निकायों एवं भूजल सहित जल स्रोतों के संरक्षण के आवश्यक कदम आदि शामिल थे। पानी से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में जल शक्ति मिशन लांच किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार भी जल संरक्षण को लेकर विशेष प्रयास कर रही है। साथ ही सरकार की ओर से इस संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।